भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 163
उत्तर देने की तारीख 03.02.2025

त्रिपुरा में जनजातीय कला का संरक्षण

163. श्री बिप्लब कुमार देब :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या जनजातीय और लोक कलाओं के संवर्धन और परिरक्षण योजना के अंतर्गत त्रिपुरा की लोक कलाओं और जनजातीय कलाकारों के लिए कोई विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया है;
- (ख) यदि हां, तो इन कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है; और
- (ग) त्रिपुरा के जनजातीय कलाकारों की संख्या कितनी है जिन्हें जनजातीय और लोक कलाओं के संवर्धन और संरक्षण योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की गई है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

- (क) और (ख): भारत सरकार ने कोलकाता में पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र (ईजेडसीसी) और दीमापुर में पूर्वोत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की स्थापना की है ताकि त्रिपुरा राज्य सहित उन केन्द्रों के सदस्य राज्यों की लोक/जनजातीय कलाओं के विभिन्न रूपों को संवर्धित, संरक्षित और परिरक्षित किया जा सके। ईजेडसीसी और एनईजेडसीसी त्रिपुरा सहित अपने सदस्य राज्यों में नियमित आधार पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कार्यक्रमों का आयोजन करता है जिसके लिए उन्हें वार्षिक सहायता अनुदान प्रदान किया जाता है। इन जेडसीसी द्वारा लोक/जनजातीय कलाकारों को शामिल किया जाता है जो सांस्कृतिक कार्यक्रमों/कार्यकलाओं में अपनी प्रतिभाएं प्रदर्शित करते हैं। इन कलाकारों को मानदेय, दैनिक भत्ता/यात्रा भत्ता, भोजन और आवास आदि के लिए भुगतान किया जाता है

जिससे वे अपना जीविकोपार्जन करने में सक्षम होते हैं। दोनों जेडसीसी द्वारा त्रिपुरा में विगत तीन (03) वर्षों के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की सूची अनुलग्नक पर संलग्न है।

(ग) जनजातीय और लोक कलाओं के संवर्धन और परिरक्षण नामक कोई स्कीम नहीं है। तथापि, गुरु शिष्य परंपरा (रेपर्टरी अनुदान) और वयोवृद्ध कलाकार स्कीम के तहत विगत पांच (05) वर्षों के दौरान संस्कृति मंत्रालय द्वारा त्रिपुरा में संगठनों/लाभार्थियों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का विवरण निम्नानुसार है

क्र. सं.	वर्ष	गुरु शिष्य परंपरा स्कीम (रेपर्टरी अनुदान)		वयोवृद्ध कलाकारों हेतु वित्तीय सहायता	
		संगठनों की संख्या	राशि (लाख रु. में)	लाभार्थियों की संख्या	राशि (लाख रु. में)
i.	2019-20	04	24.96	02	0.06
ii.	2020-21	01	6.36	01	0.24
iii.	2021-22	01	7.68	02	0.92
iv.	2022-23	01	6.24	01	0.12
v.	2023-24	14	57.12	--	--

एनईजेडसीसी और ईजेडसीसी ने भी गुरु शिष्य परंपरा स्कीम के तहत त्रिपुरा में 110 कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की है।

'त्रिपुरा में जनजातीय कला का संरक्षण' के संबंध में दिनांक 03 फरवरी, 2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 163 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

2021-22

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम
i.	ऑनलाइन रंगमंच महोत्सव
ii	जनजातीय नृत्य महोत्सव
iii.	ऑनलाइन युवा प्रतिभा कार्यक्रम
iv	आजादी का अमृत महोत्सव
v	ऑनलाइन युवा प्रतिभा कार्यक्रम
vi.	उमंग कार्यक्रम
vii	जनजातीय वाद्य यंत्र वादन कार्यशाला (चांप्रेंग)
viii.	बंगाली लोक संगीत/गीत और मणिपुरी लोक संगीत/गीत का संयोजन
ix.	रंगमंच महोत्सव
x	गुरु शिष्य परम्परा स्कीम- मूकाभिनय
xi.	गुरु शिष्य परम्परा स्कीम- शिल्प (मणिपुरी परिधान डिजाइन)
xii	अकाम के अंतर्गत भूले-बिसरे वीरों को श्रद्धांजलि
xiii	सीमा क्षेत्र कार्यक्रम

2022-23

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम
i.	वंदे भारत चित्रकला कार्यशाला
ii.	33वां उद्योग एवं वाणिज्य मेला
iii.	जनजातीय वाद्य यंत्र निर्माण एवं वादन कार्यशाला (चांप्रेंग)
iv.	होजागिरी नृत्य
v.	लकड़ी और बांस शिल्प
vi.	अकाम के अंतर्गत वंदे भारतम् नृत्य उत्सव - राज्य प्रतियोगिता
vii.	अष्टलक्ष्मी संत विचार सम्मेलन

2023-24

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम
i.	कथक नृत्य कार्यशाला
ii	मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत अमृत कलश यात्रा
iii.	दिव्यांगजन के लिए मुखौटा बनाने की कार्यशाला
iv.	मूकाभिनय रंगमंच कार्यशाला
v.	उमंग कार्यक्रम - दिव्यांगजन के लिए मुखौटा बनाने की कार्यशाला
vi.	होजागिरी नृत्य
vii	लकड़ी और बांस शिल्प